

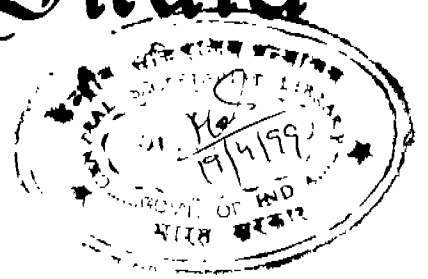


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 22]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 25, 1999/माघ 5, 1920

No. 22]

NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 25, 1999/MAGHA 5, 1920

वाणिज्य मंत्रालय

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

प्रारंभिक अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1999

विषय :— रूस से पॉलीटेट्राफ्लोरोइथीलीन (पीटीएफई) के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत।

सं. 24/1/98-डीजीएडी.—मै. हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लि., हैदराबाद ने निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) के समक्ष रूस में पीटीएफई के कथित रूप से पाटन संबंधी एक याचिका सीमाशुल्क टैरिफ (मंशोधन) अधिनियम, 1995 और सीमा शुल्क टैरिफ (डम्प की गई वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 के अनुसार दावर की है और पाटनरोधी जांच करने तथा पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया है।

1. जांच का कार्यक्षेत्र और उस में शामिल उत्पाद :— मौजूदा मामले में जांच के अधीन उत्पाद रूसी मूल के या वहां से निर्यातित सभी प्रकार का पॉली टेट्रा फ्लोरो इथीलीन (पीटीएफई) है। पीटीएफई एक द्वितीय लक्षणों वाला इंजीनियरिंग पोलिमर है और यह दावा किया गया है कि इस उत्पाद का कोई प्रतिस्थापक नहीं है।

पीटीएफई सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 34, शीर्ष सं. 3904.61 के तहत वर्गीकृत है तथापि सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक हैं और वर्तमान जांच के लिए किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं हैं।

2. स्थिति :—मै. हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लि., भारत में इस उत्पाद का एकमात्र उत्पादक है। इसलिए, याचिका को घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओर से दर्ज माना जा सकता है और नियमों के अधीन याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग है।

3. शामिल देश :— मौजूदा जांच में शामिल देश रूस है।

4. समान वस्तुएं :—याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उसके द्वारा विनिर्मित वस्तुएं रूसी मूल की या वहां से आयातित वस्तुओं के समान वस्तुएं हैं। नियमों की परिभाषा के अन्तर्गत याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तुओं को रूस से आयातित वस्तुओं के समान माना जा सकता है।

5. पाटन और पाटन सीमा :—

(क) सामान्य मूल्य :— याचिकाकर्ता ने कहा है कि रूस के घरेलू बाजार में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए घरेलू बिक्री बीजक प्राप्त करना असंभव है। सामान्य मूल्य का निर्धारण अमरीकी उद्योगों और दूसरे अन्तर्राष्ट्रीय विनिर्माताओं के साथ संपर्क करके और आंकड़े इकट्ठे करने के बाद याचिकाकर्ता द्वारा संकलित विनिर्माता देश की उत्पादन लागत के आधार पर किया गया है।

(ख) निर्यात मूल्य :—याचिकाकर्ता ने कहा है कि कथित रूप से उत्पाद का पाटन करने वाले संबद्ध देश से ठीक-ठीक निर्यात कीमत का पता लगाना असंभव है। निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआई एंड एस, कलकत्ता द्वारा अप्रैल, 1997—जून, 1998 की अवधि के लिए प्रकाशित आंकड़ों के आधार पर किया गया है जो औसत सीआईएफ दर दर्शाते हैं। रूस से संबद्ध वस्तुओं की निर्यात कीमत के बारे में प्रथमदृष्टया पर्याप्त साक्ष्य है।

(ग) पाटन सीमा :—उपर्युक्त वर्णित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत को देखते हुए पाटन सीमा न्यूनतम सीमा से काफी अधिक है।

प्रथम दृष्टया इस बात के पर्याप्त साक्ष्य है कि रूस को विचाराधीन उत्पाद का सामान्य मूल्य भारत को जिस मूल्य पर इसका निर्यात किया गया है उससे काफी अधिक है जो प्रथम दृष्टया यह संकेत करता है कि संबद्ध वस्तुओं का रूस के निर्यातकों द्वारा पाटन किया जा रहा है।

6. क्षति और कारणात्मक संबंध :—घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न आर्थिक सूचक जैसे कि उत्पादन, बिक्री, बाजार हिस्सा, लाभ/हानि इत्यादि सामूहिक रूप से प्रथम दृष्टया यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। प्रथम दृष्टया इस बात के पर्याप्त साक्ष्य हैं कि विचाराधीन उत्पाद के आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

7. पाटनरोधी जांच की शुरुआत :—इसलिए, निर्दिष्ट प्राधिकारी उक्त देशों के मूल की या वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हैं।

8. जांच की अवधि :—मौजूदा जांच के प्रयोजन से जांच की अवधि 1 अप्रैल, 1997 से 30 जून, 1998 (15 महीने) हैं।

9. सूचना प्रस्तुत करना :—रूस के निर्यातक और भारत के जिन आयातकों के सम्बद्ध होने की जानकारी है, उन्हें निर्धारित रूप में और निर्धारित तरीके से संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए अलग-अलग लिखा जा रहा है और उनसे कहा गया है कि वे अपने विचारों से निर्दिष्ट प्राधिकारी वाणिज्य मंत्रालय, पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 को अवगत कराएं। नीचे लिखित समय सीमा के भीतर कोई अन्य इच्छुक पार्टी भी निर्धारित रूप में और निर्धारित प्रपत्र में जांच से संबद्ध सूचना दे सकती है।

10. समय-सीमा :—मौजूदा जांच से संबंधित कोई सूचना लिखित रूप में इस प्रकार भेजी जाए कि वह निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास उपर्युक्त पते पर इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर पहुंच जाए। हालांकि ज्ञात निर्यातक एवं आयातक, जिन्हें अलग-अलग लिखा जा रहा है उनसे अनुरोध है कि वे उनको अलग से लिखे गए पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर सूचना सौंप दें।

11. पाटनरोधी जांच एक समयबद्ध प्रक्रिया होती है, इसलिए अगर निर्धारित समय के भीतर कोई प्रत्युत्तर नहीं प्राप्त होता है अथवा सूचना किसी भी तरह से अपूर्ण है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उक्त नियम के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपना जांच परिणाम रिकार्ड कर सकते हैं।

12. सार्वजनिक फाइल की जांच :—नियम 6(7) के अनुसार कोई हितबद्ध पार्टी सार्वजनिक फाइल की जांच कर सकती है जिसमें हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश होते हैं।

13. ऐसे मामले में जहां कोई हितबद्ध पार्टी पहुंच के लिए मना करती है, अथवा अन्यथा आवश्यक सूचना एक उचित अवधि के भीतर उपलब्ध नहीं कराती है अथवा जांच में महत्वपूर्ण रूप से बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्षों को रिकार्ड कर सकता है और केन्द्रीय सरकार को ऐसी सिफारिशें दे सकता है जैसी वह उपयुक्त समझता है।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE

(Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd January, 1999

Subject :—Initiation of anti-dumping investigation concerning import of Polytetrafluoroethylene (PTFE) from Russia.

No. 24/1/98-DGAD.—M/s. Hindustan Fluorocarbons Ltd., Hyderabad, have filed a petition in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) alleging dumping of PTFE from Russia and requested for anti-dumping investigations and levy of anti-dumping duties.

1. **Product Involved and Scope of Investigation:-** The product under investigation in the present case is Poly Tetra Fluoro ethylene (PTFE) in all forms, originating in or exported from Russia. PTFE is an engineering polymer with unique properties and it is claimed that there is no substitute to this product.

PTFE is classified under Heading No. 3904.61, Chapter 39 of the Customs Tariff Act. The custom classification is, however indicative only and in no way binding on the scope of the present investigations.

2. **Standing:** M/s Hindustan Fluorocarbons Ltd., is the only manufacturer of this product in India. The petition can, therefore, be considered to have been filed by or on behalf of the domestic industry and the Petitioner constitutes domestic industry within the meaning of the Rules.
3. **Country(ies) Involved:** The country involved in the present investigations is Russia.
4. **Like Goods:** The petitioner has claimed that goods produced by it are like articles to the goods imported from or originating in Russia. Goods produced by the Petitioner may be treated as like articles to the goods imported from Russia within the meaning of the Rules.
5. **Dumping and Dumping Margin:-**
 - a. **Normal value:** The Petitioner has stated that it is impossible to obtain local sales invoices for determination of the normal value in the domestic market in Russia. The normal value has been constructed on the basis of the cost of production in the country of origin compiled by the Petitioner after data collection and interaction with industries in the US and other international manufacturers.
 - b. **Export price:-** The Petitioner has stated that it is impossible to obtain an exact export price from the subject country allegedly dumping the product. The export price has been worked out on the basis of data published by DGCIS, Calcutta for the period April 1997- June 98 which indicate the average cif rate. There is sufficient prima facie evidence with regard to export price of the subject goods from Russia.
 - c. **Dumping Margin:-** Considering the normal value and export price as detailed above, the dumping margin is significantly higher than the de-minimus limits.
There is sufficient prima facie evidence that the normal value of the product under consideration in Russia is significantly higher than the price at which it has been exported to India, indicating, prima facie, that the subject goods are being dumped by the exporters from Russia .
6. **Injury and Causal Link:-** The various economic indicators relating to domestic industry such as production, sales , market share, profit/loss etc., collectively and cumulatively, prima facie, indicate that the domestic industry has suffered injury. There is sufficient prima facie evidence that the imports of the product under consideration have caused injury to the domestic industry.

7. **Initiation of Anti-Dumping Investigation:-** The Designated Authority, therefore, initiates anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the said country.
8. **Period of investigation:-** The period of investigation for the purpose of the present investigations is 1st April, 1997 to 30th June, 1998 (15 months).
9. **Submission of information:-** The exporter in Russia and the importers in India known to be concerned are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority, Ministry of Commerce, Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties, Udyog Bhavan, New-Delhi -110011. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.
10. **Time Limit:-** Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Designated Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporter and importers, who are being addressed separately, are, however, required to submit the information within forty days from the date of letter addressed to them separately.
11. Anti-dumping investigations being a time bound exercise, the Designated Authority may record its findings on the basis of facts available on record in accordance with the Rules supra, if no response is received within the time stipulated or the information is incomplete in any respect.
12. **Inspection of Public File:-** In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.
13. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority